1. **"आई सीधी राह से, गई न सीधी राह" का तात्पर्य क्या है?**
   A. जीवन में सच्चाई का मार्ग अपनाना
   B. सांसारिक छल-छद्मों में फँस जाना
   C. मित्रों के प्रति ईमानदार रहना
   D. ईश्वर की भक्ति में लग जाना (B)

व्याख्या : इस पंक्ति में कवयित्री बताती हैं कि वह जीवन में सच्चे मार्ग पर नहीं चलीं, बल्कि सांसारिक मोह और छल-छद्मों में भटक गईं।

2. **"सुषुम-सेतु" किसे कहा गया है?**
   A. मन का पुल
   B. सुषुम्ना नाड़ी रूपी पुल
   C. सांसारिक मार्ग
   D. आध्यात्मिक यात्रा (B)

व्याख्या : सुषुम-सेतु का अर्थ है सुषुम्ना नाड़ी रूपी पुल, जो शरीर की तीन प्रधान नाड़ियों में से एक है और ब्रह्मरंध्र में स्थित है।

3. **कवयित्री ने "जेब टटोली, कौड़ी न पाई" से क्या अभिप्राय व्यक्त किया है?**
   A. धन का अभाव
   B. आत्मालोचन के बाद कुछ न प्राप्त होना
   C. दूसरों से सहायता न मिलना
   D. जीवन में हानि होना (B)

व्याख्या : यह पंक्ति आत्मालोचन का प्रतीक है, जहाँ कवयित्री अपने जीवन का मूल्यांकन करती हैं और कुछ भी आध्यात्मिक लाभ न मिलने की बात कहती हैं।

4. **"माझी को दूँ क्या उतराई?" में 'माझी' का अर्थ क्या है?**
   A. नाविक B. ईश्वर या गुरु
   C. साधक D. परिवार (B)

व्याख्या : यहाँ 'माझी' ईश्वर या गुरु का प्रतीक है, जो जीवन रूपी नाव को पार लगाने में सहायक है।

5. **"थल-थल में बसता है शिव ही" का आशय क्या है?**
   A. शिव केवल पर्वतों पर रहते हैं
   B. ईश्वर सर्वत्र विद्यमान है
   C. शिव का वास केवल मंदिर में है
   D. शिव केवल भक्तों के हृदय में हैं (B)

व्याख्या : इस पंक्ति में कवयित्री बताती हैं कि ईश्वर हर वस्तु और स्थान में उपस्थित है, वे सर्वव्यापक हैं।

6. **"भेद न कर क्या हिंद-मुसलमान" से क्या संदेश मिलता है?**
   A. धार्मिक भेदभाव आवश्यक है
   B. जाति के आधार पर निर्णय लेना चाहिए
   C. सभी मनुष्य समान हैं
   D. केवल एक धर्म श्रेष्ठ है (C)

व्याख्या : इस पंक्ति में कवयित्री ने बताया है कि ईश्वर की दृष्टि में सभी समान हैं, धर्म के आधार पर भेदभाव अनुचित है।

7. **"ज्ञानी है तो स्वयं को जान" का क्या अर्थ है?**
   A. दूसरों की जानकारी रखना
   B. आत्म-ज्ञान प्राप्त करना
   C. संसार का ज्ञान होना
   D. पुस्तकों का अध्ययन करना (B)

व्याख्या : यह पंक्ति आत्म-बोध की प्रेरणा देती है कि सच्चा ज्ञानी वही है जो स्वयं को पहचानता है।

8. **"वही है साहब से पहचान" में 'साहब' का तात्पर्य क्या है?**
   A. राजा
   B. ईश्वर
   C. गुरु
   D. मित्र (B)

व्याख्या : यहाँ 'साहब' शब्द ईश्वर का द्योतक है, जिनसे पहचान होना आत्म-ज्ञान की पराकाष्ठा है।

9. **कवयित्री की 'जेब खाली' होने का क्या अर्थ है?**
   A. उन्होंने भौतिक संपत्ति खो दी
   B. उनका जीवन व्यर्थ चला गया
   C. उन्हें ईश्वर का साक्षात्कार नहीं हुआ
   D. वे अपनी तपस्या पूरी नहीं कर सकीं (C)

व्याख्या : कवयित्री ने आत्मालोचन के पश्चात पाया कि उनके जीवन की साधना ईश्वर की प्राप्ति तक नहीं पहुँच सकी।

10. **ललद्यद की वाखों में कौन-सा मुख्य संदेश निहित है?**
    A. भोग और विलास
    B. धार्मिक भेदभाव
    C. आत्म-ज्ञान और ईश्वर-प्राप्ति
    D. समाज सुधार (C)

व्याख्या : ललद्यद की वाखों का प्रमुख संदेश आत्म-ज्ञान के माध्यम से ईश्वर की प्राप्ति और भेदभाव से मुक्त होना है।